

— अनु 3) एवं व्रजस्त्रियः — कृष्णलीलानुगायतीः Buāg. P. 10, 33, 26.
 — अथ, अथगीतं मुकुटदृष्टमुपलब्धं च यद्भवेत् HALĀJ. 4, 70. अथगीतं तु निर्वेदे ऽनूक्तदृष्टे विगर्हिते AĀJA bei AUFRECHT, HALĀJ. Ind.
 — आ 3) leicht —, leise singen PAŚĀV. Br. 13, 10, 8. 19, 12, 7.
 — उद्, उद्गाति ऽऽऽऽ. Br. 17, 7. उद्गायित् LĀTJ. 6, 10, 18. उद्गातुः Buāg. P. 10, 3, 12. इत्युद्गीय KATHĀS. 86, 46.
 — उप 1) ऽऽऽऽ. Br. 17, 7. — 3) यथोक्तमृषिणा पूर्वं सर्वं तत्रोपगाय-
 ताम् R. 7, 94, 1.
 — प्र, प्रगीत *singend hergesagt, gesungen*: वैदिकाश्च (मन्त्राः) द्विविधाः प्रगीता अथप्रगीताश्च । तत्र प्रगीताः सामानि । अथप्रगीताश्च द्विविधाः (नाम-
 लिक ऋचः und यज्ञेषु) SARVADARĀNAS. 169, 17. *fg. singend* KATHĀS. 121, 130.
 — संप्र *zu singen beginnen*: समं संप्रगुर्यत्र मनस्तुष्टिविवर्धनम् R. 7, 26, 7.
 3. गा *vgl. noch तमोगा*.
 गागाभट्ट m. N. pr. eines Autors HALL 181.
 गाङ्ग 1) अन्वु Spr. 829. अथां प्रवाहो गाङ्गः (गाङ्गः v. l.) 3322.
 गाङ्गदेव m. N. pr. eines Dichters Verz. d. Oxf. H. 123, b, 35.
 गाङ्ग m. N. pr. eines Diebes Verz. d. Oxf. H. 133, b, 35.
 गाङ्गय 2) a) Bhīṣma Verz. d. Oxf. H. 3, b, No. 26 (fälschlich गाङ्गीय).
 pl. SĀṢK. K. 184, a, 3.
 गाङ्ग 1) अथां प्रवाहो गाङ्गः (= अमृतमय Schol.) Spr. 3322, v. l. für गाङ्गः.
 गाङ्गायनि, v. l. गार्गायणि.
 गाढ 3) hierher oder zu 4): गाढो गृहेषु ग्रहः Spr. 1973. — 4) बला-
 द्वाढान् *mit grosser Kraft* KATHĀS. 63, 168. कृपया गाढक्रान्तः 90, 127.
 °मलीमस Spr. 4267.
 गाढता (von गाढः) f. *Heftigkeit, Stärke*: मोक्षस्य KATHĀS. 90, 110.
 गाढमुष्टि *vgl. दृढमुष्टि*.
 गाणपत्य 1) adj. *zu Gaṇeṣa in Beziehung stehend, ihn verehrend*;
 m. *ein Verehrer von G. WEBER, RĀMAT. Up. 333. Verz. d. Oxf. H. 91, a, 23.*
 249, a, 11 und N. 3. गाणपत्यैकदेशिमत् a, 16. WILSON, Sel. Works 1, 28.
 32 266. 263 (°पात). — 2) VS. 11, 15. — 3) m. N. pr. eines Verfassers
 von Mantra bei den ऽऽऽऽ Verz. d. Oxf. H. 101, a, 27.
 गाणायनं m. pl., pl. *zu गाणायन्यं gaṇa कुञ्जादि* zu P. 4, 1, 98.
 गाणायन्यं m. patron. von गाण gaṇa कुञ्जादि zu P. 4, 1, 98.
 गाणेश adj. *zu Gaṇeṣa in Beziehung stehend*: दान Verz. d. Oxf. H.
 43, a, 35. पुराण 78, a, No. 133. *ein Verehrer des G. 16, a, N. 1. VAĀRAS.*
 208 (गणेशाः gegen das Versmaass).
 गाण्टी, NILAK. zu MBH. 3, 3540: गाण्टी खड्गाख्यः पद्मविशेषः तस्य वि-
 कारो गाण्टीमयः । — गाण्टी वज्रग्रन्थिस्तन्मय इत्यन्ये.
 गाण्टीविन् 1) Buāg. P. 10, 38, 54.
 गात्र 1) R. 7, 94, 9. अ° *ein schlechter Sānger* PAŚĀV. Br. 13, 10, 8.
 — 6) m. N. pr. eines Mannes mit dem patron. G a u t a m a Ind. St. 4, 373.
 गात्रविद् Z. 4 lies 19, 16 st. 19, 6.
 गात्र Z. 3 streiche (v. l. गा), da diese Lesart gegen das Metrum verstösst.
 गात्रभङ्ग m. *das Biegen —, Recken des Körpers oder der Glieder*;
 झम्भां गात्रभङ्गं च पर्वीस्फोटं च वर्जयेत् KĀM. NITIS. 3, 23. durch Schläf-
 rigkeit hervorgerufen SĀH. D. 183.
 गात्रवस्त्र 1) BHĀG. P. 10, 61, 15.
 गात्रसंकाचिन् HALĀJ. 2, 84.
 V. Theil.

गात्रिका f. wohl Gürtel; *vgl. u. परिकर 4*).
 गाथ 2) b) Ind. St. 8, 417. 424. Z. 4 lies 104, 54.
 गाथिन heisst Viçvāmitra RV. ANUKR.
 गादाधरी f. Titel eines von Gadādhara verfassten Commentars
 HALL 31. °विवृति ebend. — *Vgl. अलोकगादाधरी (so zu lesen)*.
 गाथ 1) गाथीदेके Spr. 4944. — *Vgl. दुर्गाथ*.
 गाथन v. l. für गोथन HARIV. 8863. NILAK.: गाथनैः स्थूलपिः (lies स्थू-
 लापिः) बापिः.
 गाथिपुर Verz. d. Oxf. H. 187, b, 27.
 गान ऽऽऽ. 9, 54. गान्धर्वं गानमित्यस्य (गीतस्य) भेदद्वयमुदीरितम् Verz.
 d. Oxf. H. 199, b, No. 472.
 गानच्छला f. Titel eines Abschnittes in der Sāmavedakākhala
 Verz. d. Oxf. H. 387, a, 22.
 गौत्र n. = शकट (vgl. गात्री) UĀGVAL. zu UṆDIS. 4, 159. aus dem
 Sūtra ist nicht zu ersehen, ob auch गात्र gemeint ist.
 गान्धर्व 1) adj. माया Buāg. P. 10, 33, 23. n.: गान्धर्वं श्रोतुम् R. 7, 23, 50.
 94, 11. KATHĀS. 106, 14. *fg. 15. Verz. d. Oxf. H. 339, a, 1 v. u. °शास्त्र 122, b,*
 27. गान्धर्वाग्युपवेदेषु 263, b, 22. गान्धर्वं गानमित्यस्य (गीतस्य) भेदद्वयमु-
 दीरितम् 199, b, No. 472. N. eines Tantra 93, a, 27. 101, b, 32. 103, b, 44;
vgl. गन्धर्वतन्त्र. Sp. 734, Z. 8 streiche Tanz; Z. 12 lies Schlachtmusik
st. Kriegstanz. In युद्धगान्धर्वसेविन् MBH. 2, 143 fasst NILAK. युद्धगान्धर्व
als Schlacht und Musik. — 2) a) R. 7, 94, 6. = संगीतशास्त्रज्ञ Schol.
 गान्धर्विका KATHĀS. 63, 157. *fgg.*
 गान्धार 3) °वियय R. 7, 101, 11. — 4) Ind. St. 8, 259. *fg. 268. fg. Auch*
 N. eines Rāga, eines Sohnes des Rāga Bhairava, SAṂGĒTĀDĀM. im
 ÇKDr. — 7) auch *Hanfspitzen* (die als Tabak geraucht werden), =
 गौता im Beng., ÇKDr. nach VISHNUSIDDHĀNTASĪRĀVALL. — 8) f. ई Bez.
 einer Ader in linken Auge Verz. d. Oxf. H. 236, a, 1 v. u. b, 6.
 गान्धारि 2) lies Durjodhana.
 गान्धिक 1) a) f. ई s. u. चित्रकार.
 गामन् (von 2. गी) *Gesang in युग्मदामन्*.
 गामिन् 3) कर्तृगामि फलं यतः Spr. 4764. — 6) प्रकृति° (v. l.) SĀH. D.
 442. — *Vgl. noch पुरा°, मातृ°*.
 गाम्भीर्य 2) Würde KATHĀS. 86, 32. Edelmuth 124, 83. nach der aus
 SĀH. D. mitgetheilten Definition (vgl. DAÇAR. 2, 11) *unerschütterliche Ruhe*.
 In der Rhetorik = धनिमत्ता *versteckte Andeutung* PRATĀPAR. 69, a, 9.
 गायक Buāg. P. 10, 33, 13. f. ई *Sängerin* unter den acht Akula bei
 den ऽऽऽऽ Verz. d. Oxf. H. 91, b, 36.
 1. गायत्र 2) a) °प्रस्तार Ind. St. 8, 434. 436. °समवृत्तप्रस्तार 429. 432.
 — b) °भाष्य Verz. d. Oxf. H. 296, b, No. 722. अथो वदामि गायत्रीं शिर-
 सा च समन्विताम् । सर्ववेदाङ्गतः सारो मन्त्रो ऽयं समुदाहृतः ॥ 106, a, 32.
fg. °मन्त्र 107, b, No. 166. — d) unter den Namen der Durgā KATHĀS.
 53, 172. Verz. d. Oxf. H. 39, b, 34.
 2. गायत्र 1) पाद् Ind. St. 8, 242. *fg. 249. fgg. RV. PRĀT. 17, 21. °बार्हत*
 18, 4. °काकुभ 5. व्रत (= ब्रह्मचर्य Schol.) Buāg. P. 10, 43, 29.
 गायत्रयाश्च PAŚĀV. Br. 14, 9, 25. 16, 16, 10.
 गायन 1) a) Schol. zu KĀTJ. ÇR. 22, 4, 3. — 2) एकाकिना तपो द्वाभ्यां
 पठनं गायनं त्रिभिः VṚDDHA-KĀṆ. 4, 12 (11). °लक्षणा Verz. d. Oxf. H. 87,
 87